सीएम योगी करेंगे अदाणी की सीमेंट फैक्ट्री का भूमि पूजन

- फरवरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में होगा शिलान्यास कार्यक्रम
- 4200 करोड़ के निवेश से 6500 रोजगार सृजन का रास्ता साफ

जासं, गोरखपुर : दक्षिणांचल क्षेत्र में विकसित हो रही धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप जल्द ही औद्योगिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनने जा रही है। देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों को भूमि आवंटन के बाद अब शिलान्यास और भूमि पूजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। खास बात यह है कि अदाणी ग्रुप की सीमेंट फैक्ट्री का भूमि पूजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों फरवरी में प्रस्तावित है। गीडा द्वारा अदाणी समूह को अंबुजा सीमेंट की यूनिट के लिए 46.63 एकड़ औद्योगिक भूमि आवंटित की गई है। वहीं, केयान ग्रुप से जुड़ी श्रेयश डिस्टिलरी-एनर्जी लिमिटेड को 60.48 एकड़ भूमि आवंटन किया गया है। इन दोनों निवेश प्रस्तावों के माध्यम से करीब 4200 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 6500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इसके साथ ही केयान ग्रुप के डिस्टिलरी प्लांट के भूमि पूजन को लेकर भी तैयारियां चल रही हैं। औद्योगिक टाउनशिप में निवेशकों की बढ़ती रुचि का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने भी 300 करोड़ रुपये के निवेश से कैंपा कोला कोल्ड ड्रिंक ब्रांड की यूनिट स्थापित करने के लिए करीब 50 एकड़ भूमि पसंद की है। इसके आवंटन की प्रक्रिया जल्द पूरी होने की संभावना है।

> धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के सेक्टर एस-5 में दो बड़े निवेशकों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। एक अन्य बड़े निवेशक ने भी जमीन पसंद कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फरवरी में अदाणी ग्रुप की सीमेंट फैक्ट्री का भूमि पूजन प्रस्तावित है।
>
> **अनुज मलिक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), गीडा**

धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप में सबसे बड़ा लैंड बैंक: 6876 एकड़ में विकसित हो रही धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप 17 अधिसूचित ग्रामों में फैली हुई है और इसे पूर्वांचल का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल लैंड बैंक माना जा रहा है। पहले चरण में गीडा द्वारा 800 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर उद्योगों की जरूरत के अनुरूप विकास कार्य किया जा रहा है। अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाला धुरियापार अब गोरखपुर के नए औद्योगिक गेटवे के रूप में उभर रहा है।